From anywhere, at any age - explore learning with

Aum Gurukulam

saṃskṛtam saṃskṛti: saṃskār sanātanadharma:

स्तोत्रत्रयवर्गः
Stotra Path Varg

ONLINE

Awaken the Shiva Within

About the Course

*This 9-day **Stotra Path Varg – Awaken the Shiva Within** is a special online course during the holy month of Shravan. In this course, we will learn three beautiful and powerful prayers of Lord Shiva:*

- ***Shiv Mahimnah Stotram** – praises the greatness of Lord Shiva*
- ***Nirvanashatkam** – helps us understand who we truly are*
- ***Shiv Manas Pooja** – teaches us how to worship Shiva from the heart*

What we will learn

Pronunciation & Listening Skills

Break-down of meter (chhandas) and pauses (virāma) | Common pronunciation errors and how to correct them | Guided chanting with rhythm | learn Sanskrit naturally through Stotra path |

Spiritual Interpretation (भावार्थ)

Shiva-tattva in Vedantic and Bhakti perspectives | Inner significance of Shiva's qualities | Understanding Shiva as consciousness, not just form | Using mantras for inner strength, surrender and clarity.

Word Meaning (शब्दार्थ)

Individual word meanings in Sanskrit | Construction of compound words (समास, उपसर्ग) | Literal and contextual meanings | Basic grammar insights (use of tenses, nouns, adjectives)

Why this course

Shravan is one of the most sacred months in Indian culture, dedicated to Lord Shiva. During this time, devotees perform various forms of worship, including the chanting of powerful stotras.

But it is said that just chanting is not enough — understanding the meaning is better. Even more powerful is applying that meaning in our daily life.

Nowadays, many devotees face challenges such as difficulty in correct pronunciation, not knowing the exact meaning of the verses and being unsure how to apply these teachings in real life.

Keeping all this in mind, this special course has been designed — to help you chant with confidence, understand deeply and truly connect with the Shiva within.

From Outer Worship to Inner Realization

Shiv Mahimnah Stotram

A powerful and poetic prayer written by the celestial being Pushpadanta, this stotra glorifies the greatness, compassion and infinite nature of Lord Shiva. It fills the heart with devotion and reminds us of the divine power that protects and guides us.

This is the beginning — where we bow to Shiva as the Supreme God outside us.

Shiv Manas Pooja

Composed by Adi Shankaracharya, this stotra shows that true worship happens in the heart. It teaches us that even without any physical offerings, our love and intention are enough. It shifts our focus from outer rituals to inner devotion.

This is the middle path — where we start worshipping Shiva within.

Nirvanashtakam

Also by Adi Shankaracharya, this stotra is a bold declaration of spiritual truth. It says, "I am not the body, not the mind... I am pure soul, I am Shiva." It leads us to deep inner peace, awareness and the realization that Shiva is not separate from us.

This is the final step — when we understand that we and Shiva are one.

These 9 days are not just about learning to chant –
they're about gently transforming the way we feel, think and live.
By the end of the course, you may feel lighter, more focused and deeply connected to Shiva in your heart.
It's not just prayer – it's a journey to becoming a little more like Shiva every day.

Let this Shravan be not just devotional, but transformational.

Schedule

Date	
July	***26, 27***
August	***2, 3, 9, 10, 16, 17, 23***
every ***Saturday*** and ***Sunday*** of Shravan	
Time	04:00 pm to 05:30 pm
Fees	₹ 729 /-
Mode	Online (through Zoom)
Medium	Hindi–English

About the Facilitator

The classes will be conducted by Dr. Bhavin Pathak, the Founder and Director of Aum Gurukulam.

With 25+ years of experience as an educator, author and researcher, he has made significant contributions to Sanskrit education across India. He has played a key role in developing Sanskrit courses in universities and has authored Sanskrit textbooks published by reputed private publishers for CBSE schools and various state boards.

Dr. Pathak is also a renowned teacher trainer, well-known for his expertise in curriculum development, Sanskrit pedagogy and the innovative use of technology in teaching.

He regularly shares his insights through YouTube, podcasts and live sessions.

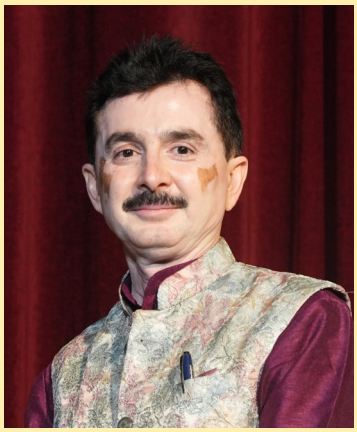

For More Details

Contact & Registration

Mobile / WhatsApp: +91 9825039558

Website: www.aumgurukulam.com

Email: *aumgurukulam@gmail.com*

Follow Us On

Instagram
Facebook
YouTube
@aumgurukulam

Payment QR

UPI ID: pbhavin01@okicici

From anywhere, at any age - explore learning with
Aum Gurukulam
saṃskṛtam saṃskṛti: saṃskār sanātanadharma:

स्तोत्रपाठवर्गः
Stotra Path Varg

शिवानुभूति

वर्ग विवरण

यह 9-दिवसीय **ऑनलाइन स्तोत्र पाठ वर्ग** (Stotra Path Varg) श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित एक विशेष साधना श्रृंखला है। इस कोर्स में हम भगवान शिव के तीन सुंदर और शक्तिशाली स्तोत्रों का अध्ययन करेंगे:

- **शिव महिम्न स्तोत्र** – भगवान शिव की महानता और महिमा का गुणगान करता है
- **निर्वाणषट्कम्** – हमें यह समझने में मदद करता है कि *हम वास्तव में कौन हैं*
- **शिव मानस पूजा** – *हृदय से मानसिक रूप से शिव की पूजा कैसे करें*

हम इस कोर्स में क्या सीखेंगे

उच्चारण एवं श्रवण कौशल (Pronunciation & Listening Skills)

छंद (Meter) और विराम (Virāma) का सही प्रयोग | सामान्य उच्चारण त्रुटियाँ और उन्हें सुधारने के उपाय | लयबद्ध एवं शुद्ध पाठ का अभ्यास | स्तोत्रों के माध्यम से स्वाभाविक रूप से संस्कृत सीखना

भावार्थ एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण (Spiritual Interpretation – भावार्थ)

वेदांत और भक्ति परंपरा के दृष्टिकोण से शिव-तत्त्व की समझ | शिव के गुणों का महत्व | शिव को केवल एक रूप नहीं, बल्कि चेतना के रूप में जानना | मंत्रों का आत्मबल, समर्पण और मानसिक शांति के लिए प्रयोग करना

शब्दार्थ एवं व्याकरणिक समझ (Word Meaning – शब्दार्थ)

संस्कृत के प्रत्येक शब्द का अलग-अलग अर्थ समझना | समास (compound words) और उपसर्ग (prefixes) की पहचान | साहित्यिक और सांदर्भिक अर्थ | व्याकरण की सामान्य जानकारी – जैसे काल (Tense), संज्ञा (Noun), विशेषण (Adjective) आदि

वर्ग का उद्देश्य

श्रावण मास भारतीय संस्कृति में भगवान शिव को समर्पित एक अत्यंत पवित्र महीना है। इस पावन अवसर पर, भक्तगण विविध प्रकार की उपासना करते हैं — विशेष रूप से स्तोत्रों का पाठ।

लेकिन केवल पाठ करना पर्याप्त नहीं होता, उनका अर्थ जानना बेहतर होता है और उस अर्थ को जीवन में अपनाना सबसे श्रेष्ठ है। आज कई श्रद्धालु अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं जैसे कि शुद्ध उच्चारण में कठिनाई, श्लोकों के सही अर्थ का अभाव, जीवन में इन शिक्षाओं को कैसे अपनाएं — यह समझ नहीं होना इत्यादि।

इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष 9-दिवसीय ऑनलाइन कोर्स तैयार किया गया है, ताकि आप आत्मविश्वास से स्तोत्रों का पाठ कर सकें, उनके अर्थ को गहराई से समझ सकें और अंततः अपने भीतर के शिव-तत्त्व से जुड़ सकें।

भौतिक पूजा से अंतर्ज्ञान की ओर यात्रा

शिवमहिम्नस्तोत्रम्

गन्धर्व **पुष्पदन्त** द्वारा रचित यह स्तोत्र भगवान शिव की महानता, करुणा और अनंत स्वरूप का अत्यंत प्रभावशाली और काव्यात्मक स्तवन है। यह हृदय में भक्ति का संचार करता है और हमें उस दिव्य शक्ति की याद दिलाता है जो हमें सदैव मार्गदर्शन और सुरक्षा प्रदान करती है।

यह यात्रा की शुरुआत है — जहाँ हम शिव को बाहरी परमेश्वर के रूप में स्तुति करते हैं।

शिव मानस पूजा

आदि शंकराचार्य द्वारा रचित यह स्तोत्र यह सिखाता है कि **सच्ची पूजा हृदय में होती है।** इसमें बताया गया है कि भौतिक सामग्री के बिना भी, केवल प्रेम और भावना से की गई पूजा भी पूर्ण मानी जाती है। यह हमें बाह्य कर्मकांड से हटाकर आंतरिक भक्ति की ओर ले जाता है।

यह आध्यात्मिक यात्रा का मध्य भाग है — जहाँ हम शिव की पूजा अपने भीतर आरंभ करते हैं।

निर्वाणषट्कम्

यह भी आदि शंकराचार्य की रचना है, जो आत्मज्ञान का एक साहसिक और स्पष्ट उद्घोष है। इसमें कहा गया है: *"मैं न शरीर हूँ, न मन... मैं शुद्ध आत्मा हूँ, मैं ही शिव हूँ।"* यह स्तोत्र हमें गहन आंतरिक शांति, जागरूकता और यह अनुभूति देता है कि शिव हमसे अलग नहीं, बल्कि हमारे ही भीतर हैं।

यह अंतिम चरण है — जहाँ हम अनुभव करते हैं कि शिव और हम एक ही हैं।

यह केवल पाठ का अभ्यास नहीं — जीवन में परिवर्तन की एक साधना है। इन 9 दिनों में, हम केवल स्तोत्र पढ़ना नहीं सीखेंगे, बल्कि धीरे-धीरे अपनी सोच, भावनाओं और जीवन जीने के तरीके को **रूपांतरित** करेंगे।

कोर्स के अंत तक, आप स्वयं को हल्का, शांत, केंद्रित और शिव से गहराई से जुड़ा हुआ महसूस कर सकते हैं।

यह केवल पूजा नहीं — यह हर दिन शिव के और समीप आने की एक यात्रा है।

इस श्रावण को केवल भक्ति नहीं, बल्कि आत्मिक परिवर्तन का माध्यम बनाएं।

Schedule

Date		***Time***	*04:00 pm to 05:30 pm*
July	***26, 27***	***Fees***	*₹ 729 /-*
August	***2, 3, 9, 10, 16, 17, 23***	***Mode***	*Online (through Zoom)*
every ***Saturday*** *and* ***Sunday*** *of Shravan*		***Medium***	*Hindi-English*

शिक्षक के विषय में

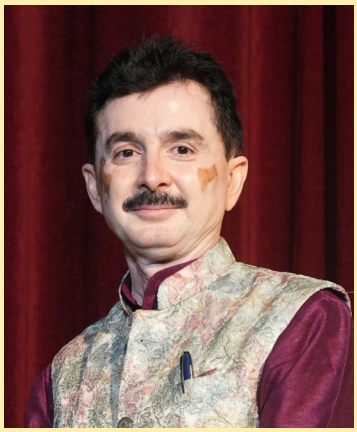

यह वर्ग डॉ. भविन पाठक द्वारा संचालित किया जाएगा, जो ओम् गुरुकुलम् के संस्थापक और निदेशक हैं।

एक शिक्षाविद, लेखक और शोधकर्ता के रूप में उन्हें 25 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है और उन्होंने संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने विभिन्न विश्वविद्यालयों में संस्कृत पाठ्यक्रमों के विकास में सक्रिय भूमिका निभाई है और CBSE स्कूलों तथा विभिन्न राज्य बोर्डों के लिए प्रतिष्ठित निजी प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित संस्कृत पाठ्यपुस्तकों की रचना भी की है।

डॉ. भाविन पाठक एक प्रख्यात शिक्षक प्रशिक्षक भी हैं, जो पाठ्यक्रम निर्माण, संस्कृत शिक्षण विधियों तथा शिक्षण में प्रौद्योगिकी के नवाचारपूर्ण उपयोग के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

वे नियमित रूप से अपने विचार YouTube, पॉडकास्ट और लाइव सत्रों के माध्यम से साझा करते हैं।

For More Details

Contact & Registration

Mobile / WhatsApp: +91 9825039558

Website: www.aumgurukulam.com

Email: *aumgurukulam@gmail.com*

Follow Us On

Instagram
Facebook
YouTube
@aumgurukulam

Payment QR

UPI ID: pbhavin01@okicici